वैश्विक संकट के बीच बढ़ा भारतीय निर्यात

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले... नए बाजारों में बढ़ेगी भारत की पकड़

नई दिल्ली, 8 मई वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अमेरिका की शुल्क नीतियों से बनी अनिश्चितताओं के बीच भारत ने निर्यात के मोर्चे पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है.

वित्त वर्ष 2025-26 में देश का कुल वस्तु और सेवा निर्यात 4.6 प्रतिशत की वृद्धि के साथ रिकॉर्ड 863.11 अरब डॉलर तक पहुंच गया है. इस उपलब्धि ने दुनिया को यह संकेत दिया है कि भारत अब केवल घरेलू बाजार तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक व्यापार का मजबूत केंद्र बनता जा रहा है. खास बात यह रही कि सेवा क्षेत्र और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात ने इस वृद्धि को नई ऊंचाई दी है केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाणिज्य विभाग और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय मंथन बैठक की. बैठक में भारतीय कारोबारों की वैश्विक पहुंच बढ़ाने, नए निर्यातकों को अवसर देने और दुनिया के नए बाजारों तक भारत की पहुंच मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई. वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में भारत का कुल निर्यात 825.26 अरब डॉलर था, जो अब बढ़कर 863.11 अरब डॉलर पर पहुंच गया है. वस्तु निर्यात में 0.93 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 441.78 अरब डॉलर तक पहुंचा. वहीं सेवा निर्यात ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 8.71 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की और 421.32 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू लिया.

गोयल ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय निर्यातकों का आत्मविश्वास मजबूत बना हुआ है. उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले महीनों में भारत नए बाजारों में और अधिक मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा.

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं, बिजनेस सॉल्यूशंस और पेशेवर सेवाओं की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है. यही कारण है कि सेवा निर्यात भारत की अर्थव्यवस्था का सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरा है. अप्रैल के पहले तीन सप्ताहों में कुल निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज होना भी भारतीय व्यापार जगत के लिए सकारात्मक संकेत माना जा रहा है.

रुपया 27 पैसे मजबूत

मुंबई, 08 मई अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया गुरुवार को 27.25 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.22 रुपये का बोला गया.

भारतीय मुद्रा लगातार तीसरे दिन मजबूत बंद हुई है. पिछले कारोबारी दिवस पर यह 68.75 पैसे चढ़कर 94.4925 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी. रुपये पर आज शुरुआती दबाव रहा. यह 27.75 पैसे की गिरावट में 94.77 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दोपहर से पहले ही 94.90 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया था. हालांकि इसके बाद इसने अच्छी वापसी की और 94.08 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत हुआ. अंत में 94.22 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल में नरमी से रुपये को समर्थन मिला. हालांकि विदेशी संस्थागत निवेशकों के भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहने से भारतीय मुद्रा की बढ़त सीमित रही.

5.8 लाख करोड़ डॉलर पहुंचेगा रियल एस्टेट

2034 तक बनेंगे करोड़ों नए घर

एआई अपनाने में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज

नई दिल्ली, 8 मई भारत का रियल एस्टेट सेक्टर आने वाले वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था का सबसे बड़ा विकास इंजन बन सकता है.

उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ महासंघ और केपीएमजी की संयुक्त रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारतीय रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2025 के 650 अरब डॉलर के स्तर से बढ़कर 2047 तक 5.8 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 5.8 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंच सकता है. रिपोर्ट के अनुसार शहरीकरण, तकनीकी बदलाव, डिजिटल लेनदेन और बढ़ते निवेश की वजह से देश का प्रॉपर्टी बाजार नई ऊंचाइयों को छूने की तैयारी में है.

'भारत के रियल एस्टेट परिदृश्य की पुनर्कल्पना' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट 19वें फिक्की रियल एस्टेट शिखर सम्मेलन में जारी की गई. रिपोर्ट में कहा गया है कि अगले दशक में देश में आवासीय, व्यावसायिक और रिटेल प्रॉपर्टी की मांग तेजी से बढ़ेगी. अनुमान है कि वर्ष 2034 तक 906 अरब डॉलर के नए घरों का निर्माण किया जा सकता है, जबकि 2028 तक 410 लाख वर्ग फुट नई रिटेल स्पेस विकसित होने की संभावना है.

विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में स्मार्ट सिटी, ग्रीन बिल्डिंग, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और डेटा आधारित फैसले रियल एस्टेट सेक्टर की दिशा तय करेंगे. ऑनलाइन प्रॉपर्टी विजिट, वर्चुअल टूर और एआई आधारित ग्राहक विश्लेषण जैसे बदलाव अब तेजी से आम हो रहे हैं. इससे ग्राहकों को पारदर्शिता और बेहतर अनुभव मिलेगा.

कर्मचारियों को मिला 20 हफ्तों का बोनस

रिकॉर्ड मुनाफे के बाद एमिरेट्स ग्रुप का बड़ा ऐलान

1.3 लाख कर्मचारियों की लगी लॉटरी

दुबई, 8 मई दुबई की प्रमुख विमानन कंपनी एमिरेट्स ग्रुप ने अपने कर्मचारियों को ऐसा तोहफा दिया है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान खींच लिया है.

कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड मुनाफा कमाने के बाद 1.3 लाख से अधिक कर्मचारियों को 20 हफ्तों की सैलरी बोनस के तौर पर देने का ऐलान किया है. यह बोनस लगभग पांच महीने की तनख्वाह के बराबर माना जा रहा है. कंपनी के इस फैसले से कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है.

एमिरेट्स ग्रुप ने यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल की है, जब वैश्विक स्तर पर एविएशन सेक्टर कई चुनौतियों से गुजर रहा है. अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण पश्चिम एशिया में हवाई सेवाओं पर असर पड़ा था. कई उड़ानों के रूट प्रभावित हुए और एयर ट्रैफिक पर दबाव बना रहा. इसके बावजूद कंपनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास का सबसे बड़ा मुनाफा दर्ज किया.

कंपनी के मुताबिक, टैक्स से पहले उसका मुनाफा 24.4 बिलियन दिरहम तक पहुंच गया, जो पिछले साल के मुकाबले 7 प्रतिशत अधिक है. वहीं कंपनी की कुल आय 150.5 बिलियन दिरहम रही, जिसमें 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई. यह आंकड़े दिखाते हैं कि मुश्किल हालात के बावजूद कंपनी ने अपनी कारोबारी मजबूती बनाए रखी.

एमिरेट्स ग्रुप के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख अहमद बिन सईद अल मकतूम ने कर्मचारियों को भेजे संदेश में कहा कि कंपनी की सफलता के पीछे कर्मचारियों की मेहनत, धैर्य और समर्पण सबसे बड़ी ताकत है.

एमिरेट्स ग्रुप का यह फैसला दुनिया की बड़ी कंपनियों के लिए भी एक संदेश माना जा रहा है कि कर्मचारियों की मेहनत को सम्मान देना किसी भी संस्थान की दीर्घकालिक सफलता का सबसे मजबूत आधार होता है.

फेडरल बैंक के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी ईपीएफओ सेवा शुरू

नयी दिल्ली, 08 मई फेडरल बैंक का डिजिटल प्लेटफॉर्म अब कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के साथ जुड़ गया है.

बैंक ने गुरुवार को बताया कि फेडरल बैंक के ग्राहक अब नेट बैंकिंग प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी सुविधानुसार और सुरक्षित तरीके से ईपीएफओ भुगतान कर सकेंगे. यह कार्य बेहद आसान तरीके से बिना किसी झंझट के हो सकेगा. इसका शुभारंभ यहां आयोजित एक विशेष समारोह में किया गया जिसमें क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-1 (बैंकिंग) बृज मोहन सिंह, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त-2 (बैंकिंग) अजय कृष्ण पालीवाल और ईपीएफओ अधिकारी कपिल आनंद भी मौजूद थे. फेडरल बैंक का प्रतिनिधित्व बैंक के सरकारी एवं संस्थागत कारोबार विभाग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कंट्री हेड अनूप टी. ने अन्य अधिकारियों के साथ किया.

तीसरे दिन भी चमका सोना-चांदी बाजार

300 रुपए महंगा हुआ सोना

1100 रुपए उछली चांदी

नई दिल्ली, 8 मई देशभर के सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन भी सोना और चांदी की कीमतों में तेजी बनी हुई है. शुक्रवार सुबह कारोबार शुरू होते ही दोनों कीमती धातुओं के दामों में जोरदार उछाल दर्ज किया गया.

सोना 300 रुपए प्रति 10 ग्राम से अधिक महंगा हुआ, जबकि चांदी में 1100 रुपए प्रति किलो से ज्यादा की तेजी देखी गई.

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, डॉलर में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती मांग के कारण सोना-चांदी लगातार मजबूत बने हुए हैं. निवेशकों का रुझान एक बार फिर कीमती धातुओं की तरफ बढ़ा है, जिससे कीमतों को समर्थन मिल रहा है. चांदी ने भी तेजी का सिलसिला जारी रखते हुए बाजार में नई ऊंचाई छू ली. दिल्ली, मुंबई, जयपुर, लखनऊ और भोपाल समेत कई शहरों में सर्राफा बाजार के भाव बढ़ गए हैं.

ज्वेलर्स का कहना है कि शादी-ब्याह के सीजन और निवेशकों की बढ़ती खरीदारी से मांग में इजाफा हुआ है. ऐसे में आने वाले दिनों में भी सोना और चांदी के दामों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना बनी हुई है.

एसबीआई को चौथी तिमाही में 20,161 करोड़ का मुनाफा

मुंबई. सार्वजनिक क्षेत्र की सबसे बड़ी ऋणदाता कंपनी भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में समेकित आधार पर 20,161 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो सालाना आधार पर 1.10 प्रतिशत अधिक है. एसबीआई के निदेशकमंडल ने शुक्रवार को वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की. इस दौरान बैंक को ब्याज से प्राप्त समेकित राजस्व 1,31,080 करोड़ रुपये रहा जबकि जमा पर उसने ग्राहकों को 79,953 करोड़ रुपये का ब्याज दिया.

भारतीय शेयर बाजारों में आई गिरावट

बैंकों और वित्तीय कंपनियों पर दबाव

516 अंक टूटा सेंसेक्स

150 अंक नीचे आया निफ्टी

मुंबई, 08 मई विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट रही और बैंकिंग तथा वित्तीय कंपनियों पर सबसे अधिक दबाव देखा गया.

बीएसई का सेंसेक्स 516.33 अंक (0.66 प्रतिशत) टूटकर 77,328.19 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 150.50 अंक यानी 0.62 प्रतिशत नीचे 24,176.15 अंक पर बंद हुआ.

वृहत बाजार में अधिकतर सूचकांक लाल निशान में रहे. हालांकि निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.22 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ.

दूसरे प्रमुख एशियाई बाजारों में गिरावट से भी निवेश धारणा प्रभावित हुई. शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजारों में भी गिरावट देखी जा रही है.

बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों पर सबसे अधिक दबाव रहा. तेल एवं गैस, धातु और रियलटी समूहों के सूचकांकों में भी ज्यादा गिरावट देखी गयी. आईटी समूह में सबसे अधिक लिवाली देखी गयी. टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में भी निवेशकों ने पैसा लगाया.

सेंसेक्स की कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक का शेयर साढ़े छह फीसदी से ज्यादा लुढ़क गया. एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एलएंडटी, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर एक से दो प्रतिशत तक टूट गये. ट्रेंट, बजाज फिनसर्व और इटरनल में भी गिरावट रही. टाइटन का शेयर पौने पांच प्रतिशत उछला. एशियन पेंट्स में करीब तीन फीसदी की बढ़त रही. अडानी पोर्ट्स, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज और टेक महिंद्रा के शेयरों में भी तेजी रही.

अहमदाबाद मंडल ने जीतीं 7 दक्षता शील्ड

पश्चिम रेलवे की पहली जनसंपर्क शील्ड

मुंबई 8 मई. पश्चिम रेलवे के 71वें रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह का आयोजन 9 मई, 2026 को मुंबई स्थित यशवंतराव चव्हाण ऑडिटोरियम में किया गया। यह पुरस्कार समारोह प्रतिवर्ष पश्चिम रेलवे के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट कार्य निष्पादन को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

महाप्रबंधक पश्चिम रेलवे श्री रामाश्रय पाण्डेय ने अपने संबोधन में कहा कि रेल सप्ताह के दौरान विभिन्न श्रेणियों में मंडलों एवं इकाइयों को दक्षता शील्डें प्रदान की गईं, जिन्हें वर्ष 2025-26 में विभिन्न क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला पाया गया। पश्चिम रेलवे ने भारतीय रेलवे में ट्रेनों की समयपालनता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 71वें रेल सप्ताह पुरस्कार समारोह में अहमदाबाद मंडल ने अपनी कार्यकुशलता और प्रतिबद्धता का परिचय देते हुए एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। अपर मंडल रेल प्रबंधक श्रीमती मंजू मीणा ने बताया कि इस गरिमामयी आयोजन में मंडल ने विभिन्न श्रेणियों में कुल 07 दक्षता शील्ड्स अपने नाम कीं, जो न केवल इसके परिचालन कौशल को दर्शाती हैं बल्कि पश्चिम रेलवे के भीतर इसकी श्रेष्ठ कार्य संस्कृति को भी प्रमाणित करती हैं। इस सफलता की सबसे विशिष्ट कड़ी पश्चिम रेलवे की पहली 'जनसंपर्क शील्ड' रही, जिसे जीतकर अहमदाबाद मंडल ने जन-संवाद और सूचना प्रसार के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है।

समाचार विशेष

मायावती का हाथी हुआ पस्त

बंगाल से तमिलनाडु तक बसपा का सूपड़ा साफ, क्या खत्म हो रहा है दलित राजनीति का दौर

नई दिल्ली. एक केंद्र शासित प्रदेश और 4 राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को आ गए. 5 विधानसभा चुनावों में से 3 राज्यों में सत्ता परिवर्तन हुआ है. इन विधानसभा चुनावों में उत्तर भारत की बहुजन समाज पार्टी ने भी हाथ अजमाया.

केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में बीएसपी ने भी अपने उम्मीदवार मैदान में उतारे, लेकिन उनको करारी शिकस्त मिली. इन 3 राज्यों में पार्टी का कुल वोट प्रतिशत 1 प्रतिशत से भी कम रहा. बता दें कि बसपा इस समय अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है. उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान जैसे राज्यों में पार्टी का जनाधार तेजी से कम हो रहा है.

पार्टी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी ने पिछले कुछ वर्षों में इन तीन राज्यों में संगठन विस्तार पर काफी जोर दिया. पार्टी दक्षिण में अपने पैर जमाने की कोशिश में है. इस दौरान राज्य में दलित वोटों के साथ अल्पसंख्यक वोटों को पार्टी से जोड़ने की कोशिश की गई. इसके बावजूद पार्टी को चुनावी सफलता नहीं मिली. इस दौरान पार्टी प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार से दूरी बनाए रखी.

निराशाजनक प्रदर्शन जारी- पिछले कुछ समय से पार्टी के संगठन को मजबूत करने, दलित-मुस्लिम आधार मजबूत करने के साथ पार्टी में युवा चेहरा आकाश आनंद को आगे बढ़ाने की रणनीति में पार्टी मुखिया मायावती लगातार प्रयास कर रहीं हैं, जिसमें लगातार असफलता ही मिली है.

तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों में पार्टी की रणनीति बुरी तरीके से फेल हुई है. चुनाव के दौरान बीएसपी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ सहित अन्य कई वरिष्ठ नेताओं द्वारा जमकर प्रचार किया गया, लेकिन नतीजे निराशाजनक रहे.

सिमट रहा जनाधार

बंगाल चुनाव में प्रचार के दौरान आकाश आनंद की रैली में अच्छी खासी भीड़ भी जुटती थी, इसके बावजूद पार्टी का खाता नहीं खुला. इन राज्यों में बसपा का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी को 0.18 प्रतिशत, तमिलनाडु में 0.11 प्रतिशत जबकि केरल में 0.15 प्रतिशत वोट ही प्राप्त हुए. पिछले साल बिहार में हुए विधानसभा चुनाव में बीएसपी ने 1 सीट पर जीत दर्ज की थी. इससे पार्टी को कामयाबी की उम्मीद जगी थी, लेकिन पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरलम में हार का सामना करना पड़ा.

शहरी निकाय चुनाव : मुकाबला दिलचस्प

बागी और निर्दलियों को मनाने में जुटे भाजपा और कांग्रेस के नेता

शिमला. हिमाचल प्रदेश में नगर निगम और शहरी निकाय चुनाव में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प और कांटे का होता नजर आ रहा है. प्रदेश के विभिन्न नगर निगमों और निकायों में पार्षद पदों के लिए करीब 1,410 उम्मीदवार चुनाव मैदान में डटे हुए हैं.

नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सभी की नजर 6 मई पर टिकी हुई है, जब नामांकन वापसी की अंतिम तिथि है. इसी दिन उम्मीदवारों को चुनाव चिह्न भी आवंटित किए जाएंगे, जिससे चुनावी तस्वीर और साफ हो जाएगी. नगर निगम के चुनाव पार्टी सिंगल पर हो रहे हैं जबकि नगर परिषद और नगर पंचायत में पार्टी समर्थित प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हैं.

चुनाव मैदान में बड़ी संख्या में उतरे निर्दलीय और बागी उम्मीदवारों ने प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा और कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है. दोनों दलों के अधिकृत प्रत्याशियों के सामने इन उम्मीदवारों की चुनौती चुनावी समीकरणों को प्रभावित कर रही है.

बागियों को मनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर

बागी उम्मीदवारों को मनाने के लिए उन्हें भविष्य में संगठन या बोर्ड-निगमों में जिम्मेदारियां देने जैसे आश्वासन भी दिए जा रहे हैं. वहीं, निर्दलीय उम्मीदवारों को भी विभिन्न तरह के राजनीतिक और व्यक्तिगत लाभ के संकेत दिए जा रहे हैं, ताकि वे चुनावी मैदान से हट जाएं. हालांकि, अभी तक कई उम्मीदवार अपने निर्णय पर अडिग नजर आ रहे हैं. निर्दलीय उम्मीदवारों की बढ़ती संख्या ने दोनों प्रमुख दलों के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है.

एक परिवार, दो राज्य, तीन पार्टी और तीन विधायक

नई दिल्ली. ऐसे संयोग बार बार नहीं होते हैं कि एक परिवार के सदस्य दो राज्यों, तीन अलग अलग पार्टियों से चुनाव लड़ें और जीत कर विधायक हो जाएं. तमिलनाडु में यह कारनामा हुआ है और कारनामा किया है लॉटरी किंग के नाम से मशहूर सैंटियागो मार्टिन के परिवार ने.

सैंटियागो मार्टिन का नाम कुछ समय पहले इस बात के लिए चर्चा में आया था कि उन्होंने सबसे ज्यादा इलेक्टोरल बॉन्ड्स खरीदे थे और राजनीतिक दलों को चंदा दिया था. भाजपा से लेकर तृणमूल कांग्रेस तक को उन्होंने सैकड़ों करोड़ रुपए का चंदा दिया था. अब उनका परिवार तीन विधायक बनाने के लिए चर्चा में है.

गौरतलब है कि सैंटियागो मार्टिन यानी लॉटरी किंग के दामाद आधव अर्जुन काफी समय से फिल्म स्टार विजय से जुड़े हैं और विजय की पार्टी के चुनाव विंग के सचिव हैं.

वे टीवीके की टिकट से तमिलनाडु की विल्लीवाक्कम सीट से जीते हैं. मार्टिन की पत्नी लीमा रोज तमिलनाडु की तिरूचिरापल्ली जिले की लालगुडी सीट से अन्ना डीएमके की टिकट से चुनाव लड़ीं और जीत गईं. सबसे दिलचस्प मामला लॉटरी किंग के बेटे जोस चार्ल्स का है. उन्होंने एलजेके नाम से अपनी एक अलग पार्टी बनाई और पुडुचेरी की कामराजनगर सीट से से चुनाव लड़े. वे भी चुनाव जीत गए हैं. सो, सैंटियागो मार्टिन की पत्नी, बेटा और दामाद तीनों विधायक हो गए हैं. तीनों अलग अलग पार्टियों से जीते हैं और दो अलग अलग राज्यों में विधायक होंगे.

विशेष गठबंधन हारा, लेकिन आरजेडी उम्मीदवार ने हासिल की जीत, पिछला प्रदर्शन बरकरार रखा

केरल में तेजस्वी ने दिखाई अपनी धमक

पटना. बिहार की पार्टी मानी जाने वाली आरजेडी ने दक्षिण भारत के राज्य केरल में हुए विधानसभा चुनाव में भी जीत का स्वाद चखा है. खास बात ये है कि आरजेडी केरल विधानसभा चुनाव में जिस गठबंधन के साथ चुनाव लड़ रही थी, उसकी करारी हार हो गई. लेकिन आरजेडी ने अपना प्रदर्शन बरकरार रखा.

दरअसल केरल में हुए विधानसभा चुनाव में आरजेडी ने सत्तारूढ़ लेफ्ट गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था. इस बार के चुनाव में लेफ्ट गठबंधन की करारी हार हुई और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ को बड़ी जीत हासिल हुई है.

लेकिन आरजेडी ने अपना पिछला प्रदर्शन बरकरार रखा.

केरल में विधानसभा की कुल 140 सीटों में से आरजेडी ने लेफ्ट गठबंधन (एलडीएफ) से तालमेल कर कुल 3 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे. चुनाव में उसके दो उम्मीदवार हार गये. लेकिन आरजेडी ने केरल की कुथुपरम्बा सीट पर अपना कब्जा कायम रखा. इस सीट पर आरजेडी के उम्मीदवार पी के प्रवीण ने जीत हासिल कर ली.

हालांकि आरजेडी ने इस सीट पर अपने सीटिंग उम्मीदवार का टिकट काट दिया था. 2021 के केरल विधानसभा चुनाव में कुथुपरम्बा सीट से आरजेडी के उम्मीदवार के पी मोहनन ने जीत हासिल की थी. के.पी. मोहनन उस क्षेत्र के कद्दावर नेता माने जाते रहे हैं. लेकिन आरजेडी ने इस दफे उनका टिकट काट कर पी.के. प्रवीण को उम्मीदवार बनाया. आरजेडी की ये रणनीति सफल रही और उसने अपनी सीट बचा ली.

तेजस्वी ने किया था प्रचार

केरल के विधानसभा चुनाव में तेजस्वी यादव ने भी प्रचार किया था. उन्होंने केरल की कई सीटों पर जनसभा कर लेफ्ट गठबंधन यानि एलडीएफ के लिए वोट मांगे थे. केरल में चुनाव प्रचार के दौरान अंग्रेजी में भाषण देते तेजस्वी यादव का वीडियो भी वायरल हुआ था.